

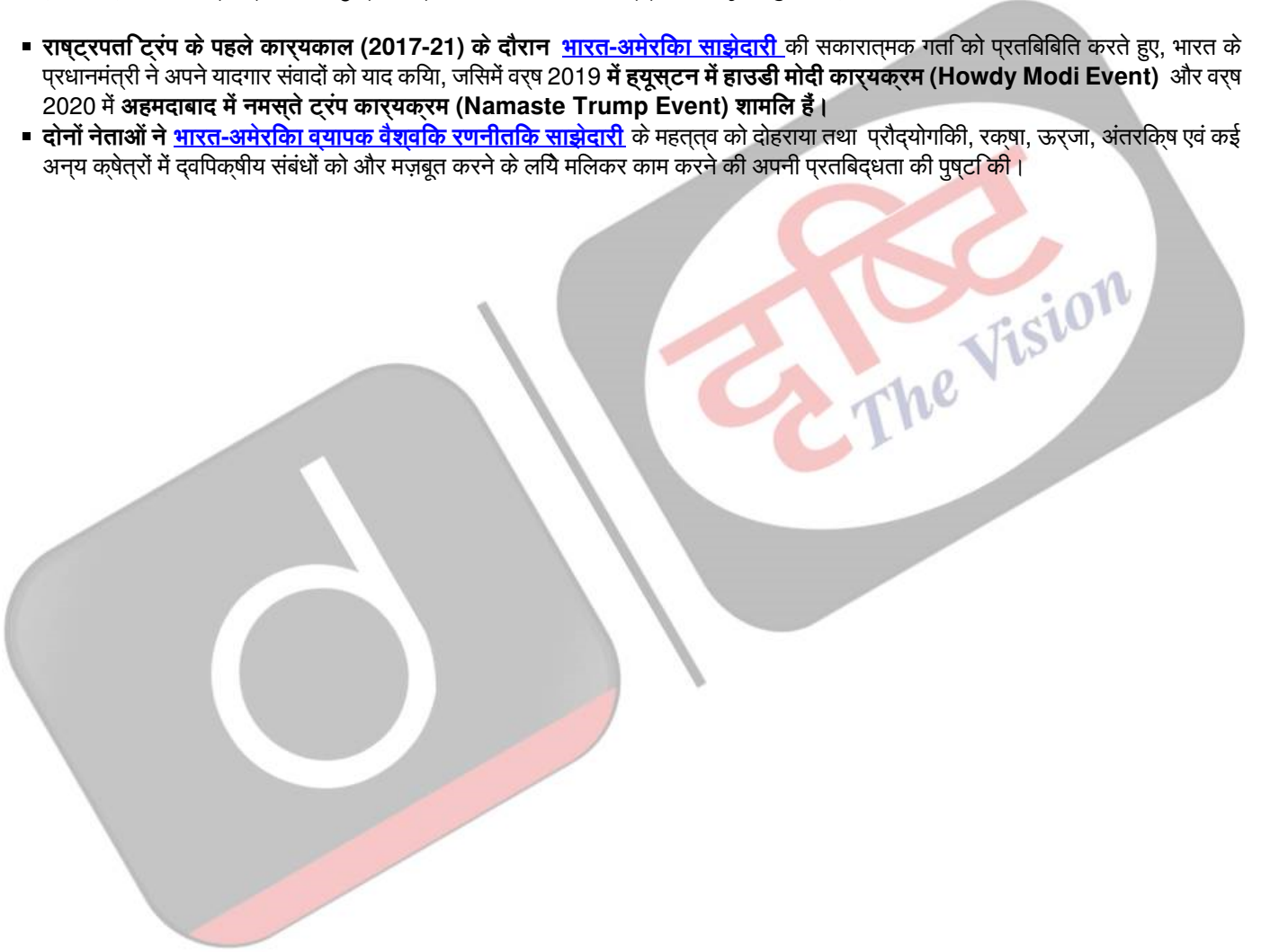
डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति

स्रोत: पी. आई. बी.

भारत के प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप को संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में पुनः नरिवाचति होने पर बधाई दी।

- राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-21) के दौरान [भारत-अमेरिका साझेदारी](#) की सकारात्मक गति को प्रतबिबिति करते हुए, भारत के प्रधानमंत्री ने अपने यादगार संवादों को याद किया, जिसमें वर्ष 2019 में [ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम \(Howdy Modi Event\)](#) और वर्ष 2020 में [अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम \(Namaste Trump Event\)](#) शामिल हैं।
- दोनों नेताओं ने [भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी](#) के महत्त्व को दोहराया तथा प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष एवं कई अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूत करने के लिये मिलकर काम करने की अपनी प्रतबिद्धता की पुष्टि की।

//



भारत अमेरिका साझेदारी

आर्थिक संबंध



- वर्ष 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार अमेरिका बन गया है, उसके बाद चीन और UAE का स्थान आता है
- वर्ष 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार में 7.65% की वृद्धि हुई है (2021-22 की तुलना में)

रक्षा सहयोग



- भारत-अमेरिका रक्षा त्वरित पारिस्थितिकी तंत्र (INDUS-X), 2023: स्टार्ट-अप और तकनीकी कंपनियों उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और सह-उत्पादन पर सहयोग करेंगे
- फाइटर जेट डील, 2023: जनरल इलेक्ट्रिक (GE-General Electric) की F414 इंजन तकनीक और विनिर्माण को भारत के तेजस Mk2 जेट के लिये स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे इसकी स्वदेशी क्षमताओं में वृद्धि होगी
- रक्षा प्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (DTTI), 2012: रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहयोग की सुविधा के लिये
- भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के लिये नई रूपरेखा, 2005: वर्ष 2015 में 10 वर्षों के लिये अद्यतन किया गया

भारत द्वारा अमेरिका के MQ-9B सीगार्जियन UAVs के अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी



- महत्त्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल (iCET), 2022: AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और वायरलेस दूरसंचार आदि क्षेत्रों में CET पर सहयोग
- महत्त्वपूर्ण खनिज साझेदारी: हाल ही में, भारत महत्त्वपूर्ण वैश्विक ऊर्जा और खनिज आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिये अमेरिका के नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP) में शामिल हुआ।
- अंतरिक्ष में सहयोग: नासा, इसरो के अंतरिक्ष यानों को प्रशिक्षित करेगी, जिसका लक्ष्य वर्ष 2024 में एक संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) मिशन है।
 - आर्टिमिस समझौता: भारत द्वारा हस्ताक्षरित ग्रहों की खोज और अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिये अमेरिका के नेतृत्व वाला गठबंधन;
 - नासा इसरो सिंथेटिक एपचर रडार (NISAR): पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र में परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने के लिये

नागरिक परमाणु समझौता



- नागरिक परमाणु सहयोग: द्विपक्षीय नागरिक परमाणु सहयोग समझौते पर अक्टूबर 2008 में हस्ताक्षर किये गये

ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन



- संयुक्त स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और विकास केंद्र (JCERDC), 2010: स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिये भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा प्रस्तावित
- स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा 2030 साझेदारी: लीडर्स जलवायु शिखर सम्मेलन 2021 में लॉन्च किया गया
- वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (भारत, ब्राजील और अमेरिका), 2023: इसका उद्देश्य परिवहन क्षेत्र सहित धारणीय जैव ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहन एवं गति प्रदान करना है।

सुरक्षा



- आतंकवाद-रोधी सहयोग पहल, 2010: आतंकवाद-निरोध, सूचना साझाकरण और क्षमता निर्माण पर सहयोग का विस्तार करना

चार मूलभूत समझौते

- जनरल सिक्वोरिटी ऑफ मिलिट्री इनफार्मेशन एग्रीमेंट (GSOMIA), 2002: सेनाओं को उनके द्वारा एकत्रित की गई खूफिया जानकारी साझा करने की अनुमति देता है
 - औद्योगिक सुरक्षा अनुबंध, 2019 GSOMIA का एक हिस्सा है
- लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA), 2016: दोनों देशों को ईंधन भरने और पुनःपूर्ति के लिये नामित सैन्य सुविधाओं तक पहुँच प्राप्त होती है।
- संचार अनुकूलता और सुरक्षा समझौता (COMCASA), 2018: अमेरिका से भारत में अत्यधिक संवेदनशील संचार सुरक्षा उपकरणों के हस्तांतरण के लिये एक कानूनी रूपरेखा
- बुनियादी विनियम और सहयोग समझौता (BECA), 2020: दोनों देशों को एक-दूसरे के साथ भू-स्थानिक और उपग्रह डेटा साझा करने की अनुमति देता है।

वर्ष 2015 में, दोनों देशों ने दिल्ली मैत्री घोषणा जारी की और एशिया-प्रशांत एवं हिंद महासागर क्षेत्र के लिये एक संयुक्त रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया।

भारतीयों के मध्य लोकप्रिय वीडियो में एच-1बी, एल शामिल हैं। भारतीय नागरिक अमेरिका में सबसे बड़ा विदेशी छात्र समुदाय बनने के लिये तैयार हैं (2022 में 20% की वृद्धि)



Drishti IAS

और पढ़ें: [भारत-अमेरिका साझेदारी](#)